ज्ञानामृत

सितम्बर-अक्तूबर, 1980 I
वर्ष 16 ❋ अंक 4-5
मूल्य 1.75

अमृत-सूची

ब्रह्माकुमारी चक्रधारी जी भारत के राष्ट्रपति जी को पवित्रता की सूचक राखी बाँध रही हैं।

१. केन्द्रीय मन्त्री, राज्य के मुख्य मन्त्री, राज्यपाल तथा उपराज्यपाल, राज्य के मन्त्रियों को ईश्वरीय सन्देश १
२. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को दिव्य संदेश ५
३. धार्मिक नेताओं को अलौकिक निमन्त्रण ८
४. उप-कुलपतियों को सन्देश ९
५. आई० जी० पी०, एस० पी०, डी० एस० पी०, एस० डी० एम० आदि को ईश्वरीय सन्देश १०
६. समाचार पत्रों के सम्पादकों साहित्यकारों को परमात्मा का परिचय १९
७. अपंगों की सेवा २१
८. हरिजन भाइयों की सेवा २२
९. कैदियों आदि को योग का शिक्षण २३
१०. विधायको डाक्टरों आदि को राखी बन्धन २६

भारत के प्रधान मन्त्री जी को नई देहली में स्नेह की सूचक राखी बाँधी गई।

समाज सेवा का नया रूप

दस-सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत इस बार अनेक वर्गों के व्यक्तियों को मिलकर एक प्रपत्र दिया गया जिसमें १० बुराइयों में से कम-से-कम किसी एक को छोड़ने और १० दिव्य गुणों में से किसी एक को धारण करने का सुझाव दिया हुआ था। जिनसे सम्पर्क किया गया उनमें राजनीतिक नेता, पुलिस अथवा सेना के अधिकारी, न्यायविद, शिक्षा अधिकारी, हरिजन, अपंग, विकलाँग, कैदी तथा कई उपेक्षित वर्ग भी सम्मिलित थे। अनेकानेक विशिष्ट व्यक्तियों को पवित्रता और दिव्य गुणों की धारणा का सन्देश दिया गया। बहुत से लोगों ने खुशी से प्रपत्र भरकर दिये जिसमें उन्हों ने इच्छा प्रकट की कि वे अमुक गुण को धारण करेंगे अथवा अमुक बुराई को छोड़ेंगे। कुछ स्थानों पर लगातार कई दिन ईश्वरीय ज्ञान और योग की शिक्षा दी गई। इसके फलस्वरूप कई अपंगों, विकलाँगों, कैदियों, हरिजनों इत्यादि ने जो अपने अनुभव लिखे हैं, वे पढ़ने के योग्य हैं। कुछेक ने लिखा है कि उनके अंगों की शिथिलता के कारण उनके माता-पिता, उनके अभिभावक अथवा उनका पति उन्हें विकलाँगों के अस्पताल में छोड़ गये और अब उन्हें वे देखने भी नहीं आते और कि प्रेम-के-सागर परमपिता का परिचय पाकर और उससे योग युक्त होने की विधि को जानकर अब उनकी आत्मवेदना शान्त हुई है। अन्य कुछेक ने लिखा है कि उन्हें अपनी शारीरिक क्षति अथवा विकलाँगता का दुःख तो था ही परन्तु अस्पताल में उनकी ठीक देख-रेख होने पर भी वे अपने इस अपाहिज जीवन से मायूस थे, परन्तु अब सहज योग-विधि को सीख कर और इन बहनों का स्नेह पाकर उनके जीवन में खुशी की लहर आई है। इसी प्रकार के अनुभव दूसरों ने भी लिखे हैं। इस प्रकार समाज सेवा के इस नये आध्यात्मिक रूप द्वारा अनेकों को शान्ति मिली है तथा उनके स्वभाव और संस्कारों में क्रान्तिकारी परिवर्तन आने लगा है।

—सम्पादक

ब्र० कु०चक्रधारी भारत सरकार के गृहमन्त्री ज्ञानी ज़ैलसिंह को पवित्रता एवं स्नेह की सूचक राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु० सुधा खड़ी हैं।

उड़ीसा के मुख्यमन्त्री भ्राता जानकी बल्लभ पटनायक को ब्र० कु० कमलेशपवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं। ब्र० कु० सुलोचना उनके निकट खड़ी है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्य मन्त्री भ्राता रामलाल जी को ब्र० कु० शुक्ला जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

मोरिशस के प्रधान मन्त्री भ्राता रामगुलाम को राखी बांधने के पश्चात ब्र० कु० चन्द्रा उन्हें आत्म-स्मृति का तिलक लगा रही हैं ब्र० कु० सोमप्रभा पास में खड़ी है।

दिल्ली के उपराज्यपाल भ्राता जगमोहनजी को ब्र० कु० चक्रधारी पवित्रता एवं स्नेह की सूचक राखी बांध रही हैं। साथ में दादा किशनचन्द बैठे हैं।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भ्राता अमीनुद्दीन अहमद अली जी को ब्र० कु० शुक्ला पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

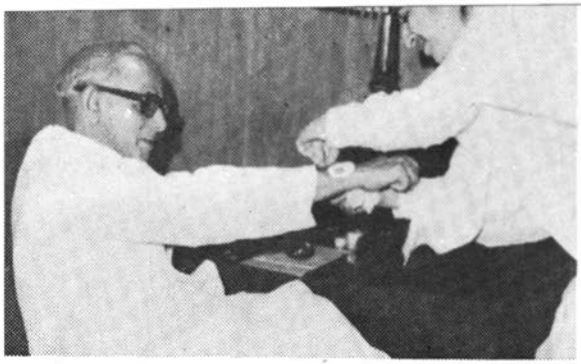

महाराष्ट्र से राज्यपाल भ्राता सादिक अली को बम्बई (गामदेवी) में ब्र० कु० हंसा पवित्रता की राखी बांध रही हैं।

केरल की राज्यपाल बहन ज्योति वैंकटा चेलम को संयुक्त मुख्य प्रशासिका दीदी मनमोहिनी जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

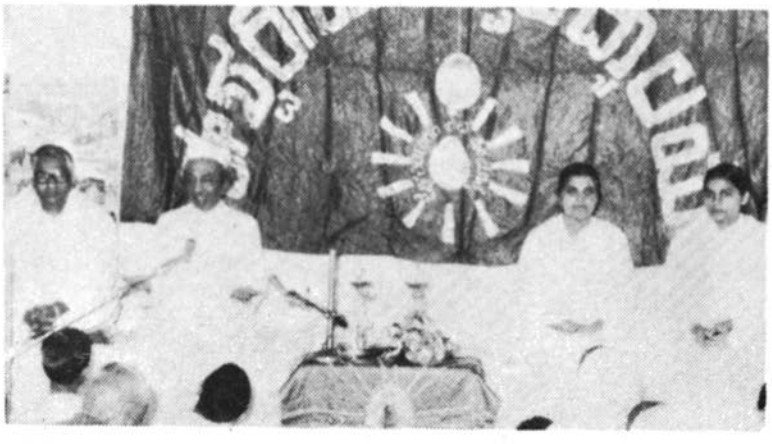

हुबली में आयोजित विश्वकल्याण महायज्ञ समारोह में भूतपूर्व उप-राष्ट्रपति भ्राता बी० डी० जत्ती प्रवचन कर रहे हैं, मंच पर उनके साथ ब्र० कु० बसवराज, ब्र० कु० सुनन्दा व निर्मला जी बैठे हैं।

गुजरात के गवर्नर शारदा वहिन मुखर्जी को ब्र० कु० सरला बहन राखी बांध रही हैं।

दरणीया दीदी मनमोहिनी जी कर्नाटक के राज्यपाल को वित्रता की सूचक राखी बाँध रही हैं।

उड़ीसा के शिक्षा मन्त्री भ्राता गंगाधर महापत्रा जी को ब्र० कु० कमलेश पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं। ब्र० कु० सुलोचना उनके साथ खड़ी है।

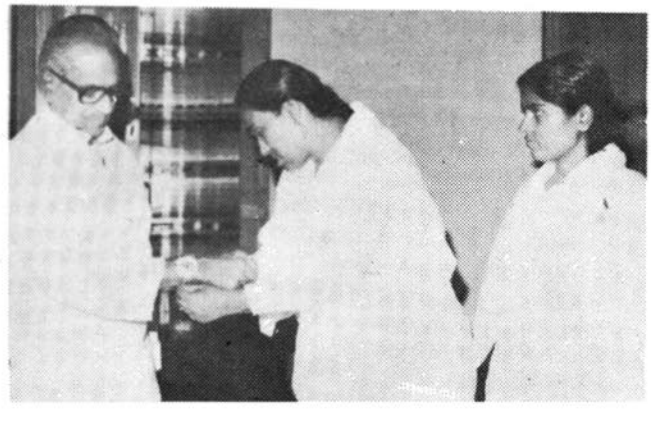

एस० कुमार को ब्र० चांदना पवित्रता व स्नेह की सूचक राखी बांध रही हैं।

ब्र० कु० कुलदीप आन्ध्र प्रदेश के 'डेयरी व पशु विकास' विभाग के मन्त्री भ्राता बी० रामदेव को राखी बांध रही है।

उड़ीसा के आवास मन्त्री भ्राता दयानिधि नायक को राखी बांधने के पश्चात उनके साथ ब्र० कु० मन्जु, ब्र० कु० कुलदीप, प्रेमलता, भ्राता परमानन्द, नरसिंह तथा ऋषिकेश, खड़े हैं।

लखनऊ के आध्यात्मिक संग्रहालय में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के उद्योग मन्त्री भ्राता दीनानाथ सेवक जी पधारे थे। ब्र० कु० सत्ती प्रवचन कर रही हैं। तथा मंच पर मन्त्री महोदय तथा ब्र० कु० पालु जी बैठे हैं।

आन्ध्र प्रदेश के विधि एवं कृषि मन्त्री भ्राता वैंकट राव को ब्र० कु० बहनें तिरुपति में आध्यात्मिक चित्रों की व्याख्या दे रही है।

नेपाल के विकास सहायक मन्त्री भ्राता भीम प्रसाद गौचन को ब्र० कु० अरुणा पवित्रता की सूचक राखी बांध रही है।

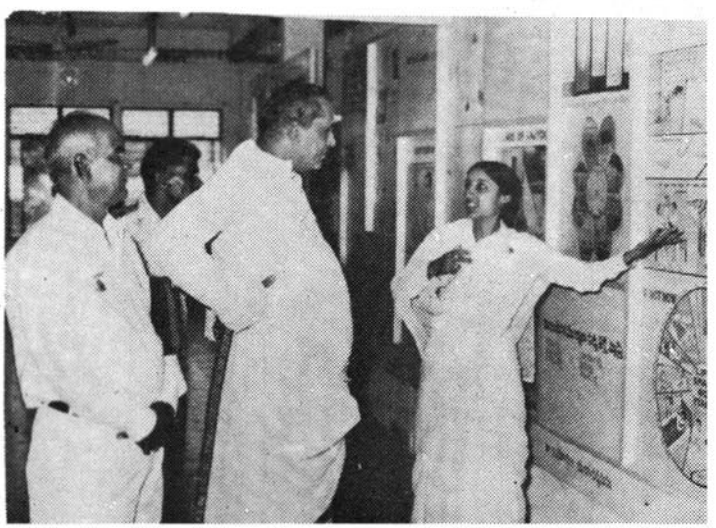

नेपाल में स्थित भारत के राजदूत भ्राता ए० पी० जैन को ब्र० कु० शीला राखी बांधने के पश्चात आत्म-स्मृति का तिलक लगा रही हैं। साथ में अरुणा बहन खड़ी है।

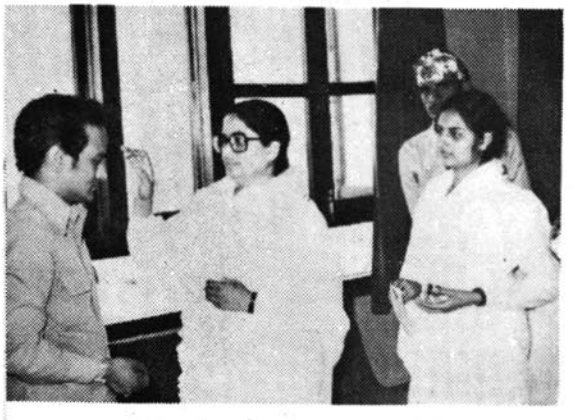

नेपाल राष्ट्रीय पंचायत के अध्यक्ष भ्राता लोकेन्द्र बहादुर चन्द को ब्र० कु०शीला राखी बाँधने के पश्चात आत्म-स्मति का तिलक लगा रही हैं।

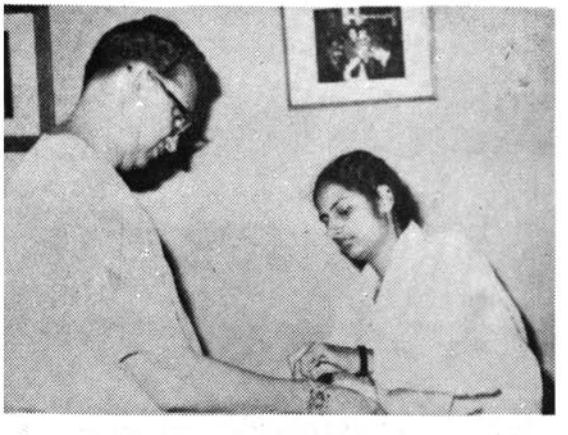

नेपाल के भूतपूर्व प्रधान मंत्री भ्राता कीर्ती निधी बिष्ट जी को ब्र० कु० अरुणा राखी बांध रही हैं।

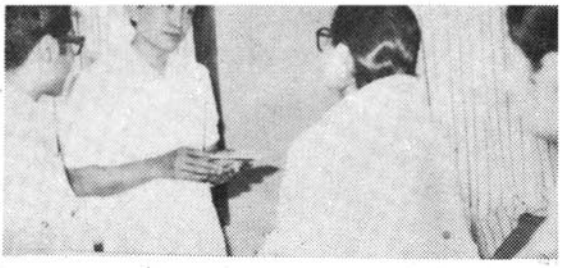

नेपाल के शिक्षा सहायक मन्त्री भ्राता मरीचमान सिंह को राखी बांधने के पश्चात ब्र० कु० शीला ईश्वरीय साहित्य भेंटकर रही हैं। साथ में अरुणा बहन खड़ी है।

नेपाल के भूतपूर्व मन्त्री तथा काठमाण्डु जिला पंचायत के सभापति भ्राता प्रयाग राजसिंह सुवाल को ब्र० कु० शीला जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही है।

नपाल के भूतपूर्व प्रधान मंत्री जी को राखी बांधने के पश्चात उनकी युगल को ब्र० कु० शीला राखी बांध रही हैं। साथ में अरुणा बहन खड़ी हैं।

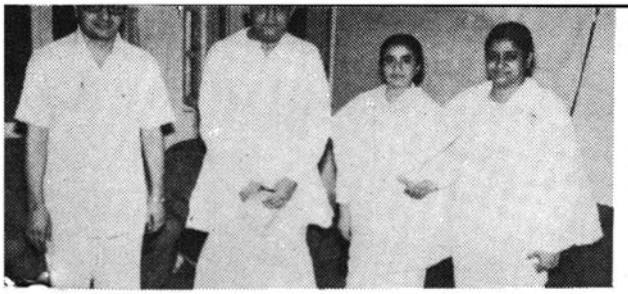

दिल्ली में भारत की उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति भ्राता ए० पी० सेन को राखी बांधने के पश्चात ब्र०कु० विमला ब्र० कु० इन्द्रा व जयप्रकाश (एडवोकेट) खड़े हैं।

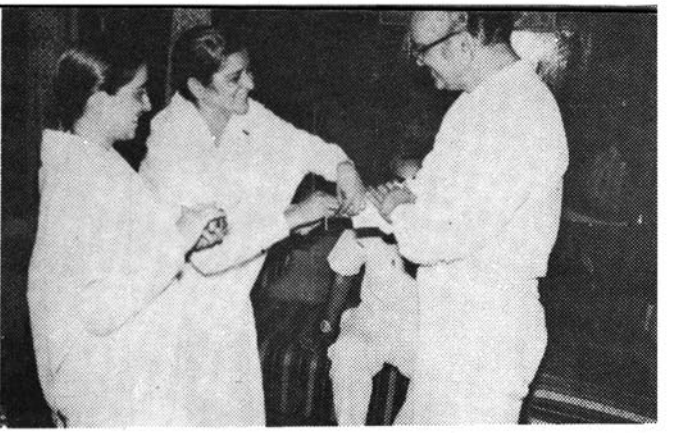

उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति भ्राता पी० एन० भगवती जी को ब्र० कु० विमला राखी बांध रही हैं, साथ में ब्र०कु० इन्द्रा खड़ी हैं।

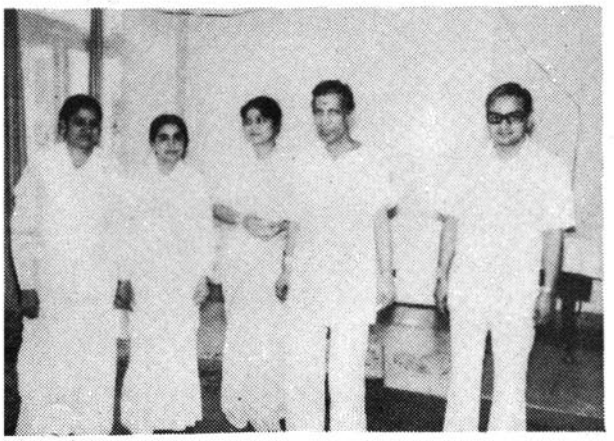

दिल्ली में उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति भ्राता एस० मूर्तजा फजल अली तथा उनकी युगल को राखी बांधने के पश्चात् ब्र० कु० विमला, ब्र० कु० इन्द्रा व जयप्रकाश (एडवोकेट) खड़े हैं।

उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति भ्राता आर० एस० सरकारिया जी को राखी बांधने के पश्चात भ्राता जयप्रकाश जी 'विश्व कल्याण महोत्सव' के बारे में जानकारी दे रहे हैं। ब्र०कु० इन्द्रा व अमृता जी साथ में बैठी हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भ्राता डी० एम० चन्द्रशेखर को दीदी मनमोहिनी जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं। उनके साथ ब्र० कु० हृदयपुष्पा जी खड़ी हैं।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायधीश व उनकी धर्मपत्नी को ब्र० कु० अरुणा राखी बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सन्देश सुना रही हैं।

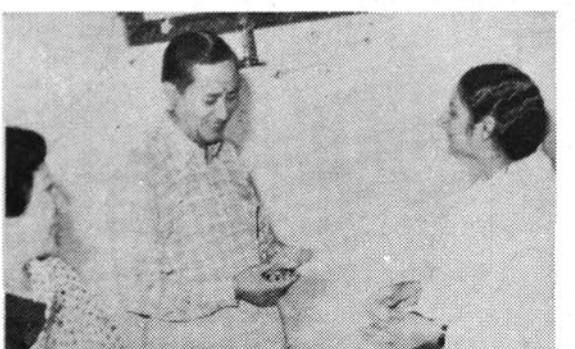

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भ्राता कृष्णा अय्यर को क्यूम्बटूर में ब्र० कु० कल्पना राखी बाँध रही हैं। साथ में रोटरी क्लब के प्रधान बैठे हैं। →

बम्बई हाईकोर्ट के जज भ्राता करडूकर जी गामदेवी सैण्टर पर पवित्रता की सूचक राखी आदरणीया दीदी मनमोहिनी जी बांध रही हैं।

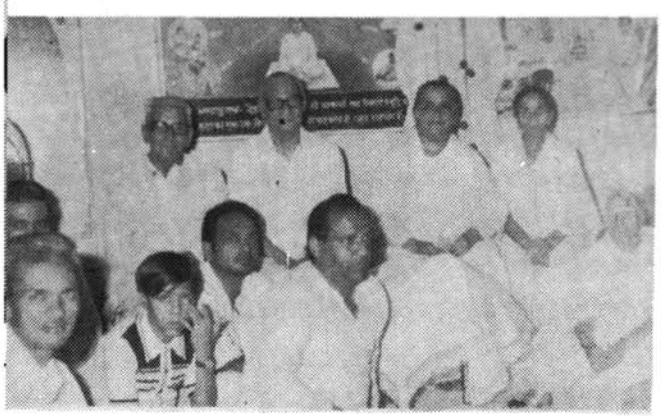

ग्रीन पार्क (नई दिल्ली) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय राज-योग शिविर के अवसरपर सुप्रीम कोर्ट के अवकाश प्राप्त जस्टिस पी० के० गोस्वामी अपना अनुभव सुना रहे हैं। साथ में ब्र० कु० लक्ष्मी व अन्य बहन-भाई बैठे हैं।

बम्बई (गाम देवी) सेवा केन्द्र द्वारा आयोजित समारोह में बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति भ्राता देशपांडे जी अपने विचार प्रकट कर रहे हैं।

हैदराबाद में आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भ्राता अल्लाडी कुप्पू-स्वामी को राखी बांधने के पश्चात ब्र० कु० आत्म-स्मृति का तिलक लगा रही हैं।

हिमाचल प्रदेश के मुख्य न्यायधीश को ब्र० कु० शुक्ला पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं। उनके साथ ब्र० कु० अरुणा खड़ी हैं।

धनकनाल (उड़ीसा) के डिस्ट्रिक्ट एण्ड सैशन जज भ्राता जगनेश्वर दास जी को ब्र० कु० अंगूरी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही है।

मालवीय नगर (नई दिल्ली) में आयोजित समारोह में अवकाश प्राप्त जज भ्राता एस० सी मिश्रा तथा टाटाचारी जी परिवार सहित वहां के बहन-भाइयों के साथ दिखाई दे रहे हैं।

मुफ्जफरनगर के सिविल एण्ड सेशन जज भ्राता जी आर० एम० टण्डन वहां पर आयोजित रक्षा-बन्धन समारोह में अपने विचार प्रकट कर रहे हैं।

किशनपोल बाजार जयपुर में स्थित संग्रहालय में आयोजित स्वागत समारोह में दादी निर्मल शान्ता जी अपने विदेश संस्मरण सुना रही हैं। मंच पर राजस्थान हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश बैरी जी व अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

मालवीय नगर (नई दिल्ली) में आयोजित समारोह में जस्टिस (अवकाश प्राप्त) टाटाचारी, जस्टिस जसवन्त सिंह तथा उनका परिवार दिखाई दे रहा है।

नेपाल में आयोजित समारोह में नेपाल के प्रधान न्यायधीश धर्मपत्नी को ब्र० कु० अरुणा बैज लगा रही हैं। ब्र० कु० शीला राज बहन मंच पर बैठी हैं।

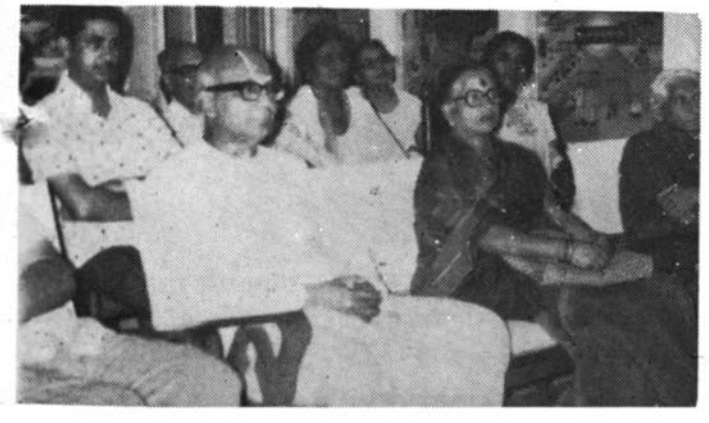

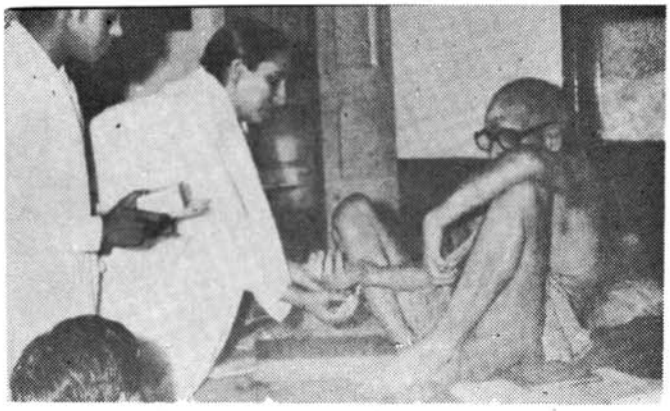

वाराणसी में स्वामी करपात्रीजी को ब्र०कु० सुरेन्द्रजी स्नेह सूचक राखी बांध रहो हैं। साथ में ब्र०कु० गीता जी खड़ी हैं।

महाबोद्धी सोसाइटी, सारनाथ के अध्यक्ष डा० पोटूविला गुणरत्न जी को ब्र०कु० सुरेन्द्र जी राखी बांधने के पश्चात् आत्मस्मृति का तिलक दे रही हैं।

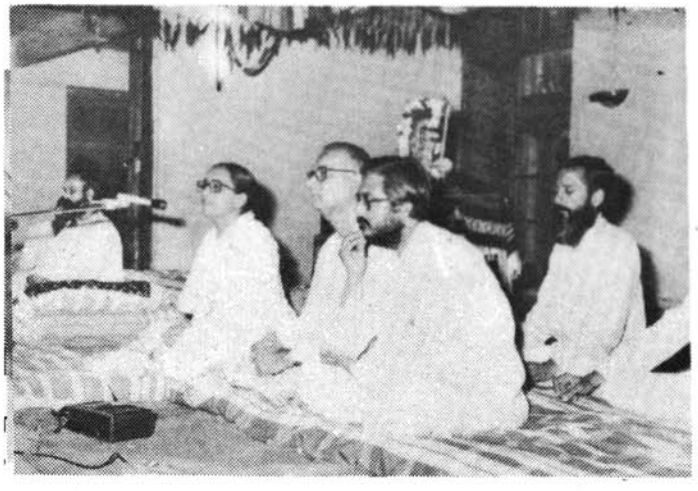

ब्र०कु० गीता भावनगर में गिरनार के सन्त पुनिताचार्य द्वारा आयोजित 'ध्यानधून शिविर' में प्रवचन कर रही हैं। मंच पर मुनी जी व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति बैठे हुए हैं।

श्री गंगानगर में आयोजित सर्व-धर्म में समन्वय गोष्ठी में सदर मस्जिद के प्रमुख हकीम हुसैन जी प्रवचन कर रहे हैं। मंच पर ब्र०कु० विद्या जी एवं सुमन आदि बैठे हैं।

पुरी के अमर मथ के महन्त को ब्र०कु० निरुपमा राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र०कु० प्रतिभा व भारती बैठी हैं।

ब्र०कु० कृष्णा जी सनातन धर्म सभा के प्रधान को राखी बांधने के पश्चात् आत्मस्मृति का तिलक लगा रही हैं। साथ में सनातन धर्म सभा के सचिव दिखाई दे रहे हैं।

कलकत्ता विश्व-विद्यालय के उप-कुलपति भ्राता आर० के० धोद्दार कोब्र० कु०कानन 'पवित्रता व स्नेह की सूचक राखी बांध बांध रही हैं !

जबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति भ्राता रामाप्रसन्न नायक कोब्र० कु०कमल राखी बांध रही हैं !

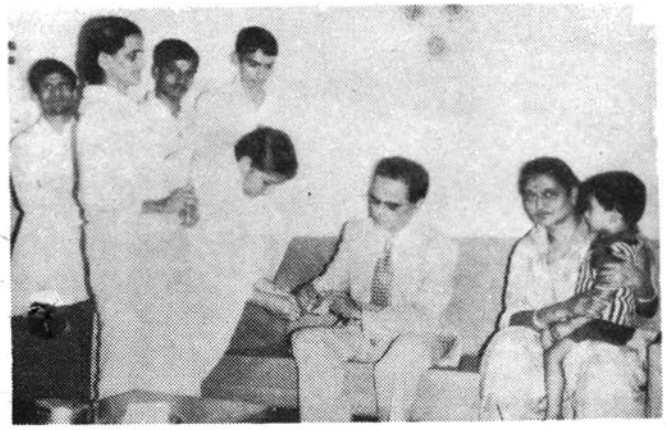

कर्नाटक-विश्व-विद्यालय के उप-कुलपति भ्राता एस० एस० वाडेयर को धारवाड मेंब्र० कु०निर्मला राखी बांध रही हैं। साथ मेंब्र० कु०इन्दुमति खड़ी हैं।

वाराणसी में काशी विद्यापीठ के उपकुलपति भ्राता आर० वी० सक्सेना को राखी बांधते हुएब्र० कु०कमला। साथ में खड़े हैं भ्राता रामदुलारे तथाब्र० कु०परनीता जी।

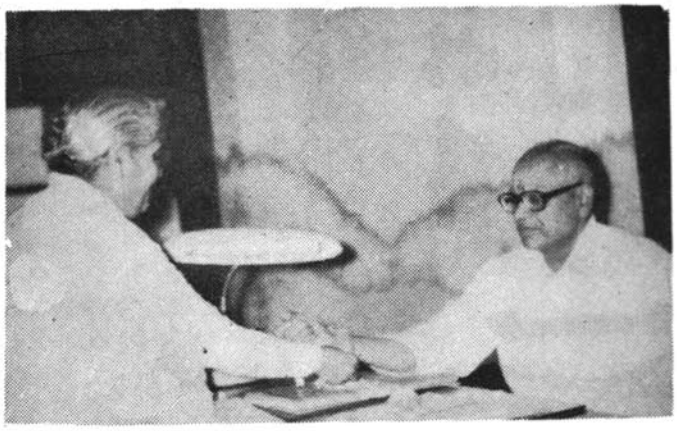

वाराणसी के संस्कृत विश्व-विद्यालय के कुलपति आचार्य महा-महोपाध्याय पं० बद्रीनाथ शुक्ला कोब्र० कु० कमला जी राखी बांध रही हैं।

श्रीगंगानगर में ब्र० कु०विद्या जी गुरुकुल कांगड़ी (हरिद्वार) के कुलपति आचार्य गौरीशंकर जी को पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

झज्जर के एस० डी० एम० भ्राता रामचन्द्र राव को ब्र० कु०गीता राखी बाँध रही है। साथ में ब्र० कु०शीला व नरेश भाई खड़े हैं।

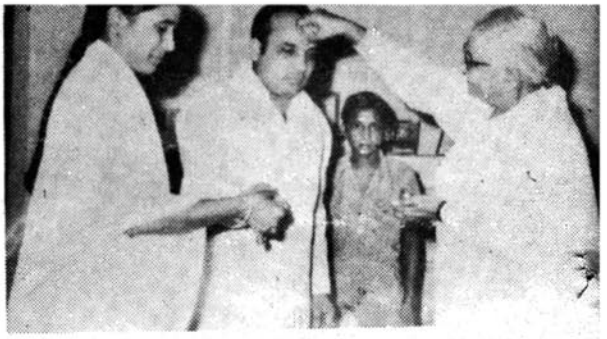

हापुड़ के एस० डी० एम० को ब्र० कु० सीतू बहन राखी बाँध रही हैं। साथ में ब्र० कु०रुकमणी खड़ी हैं।

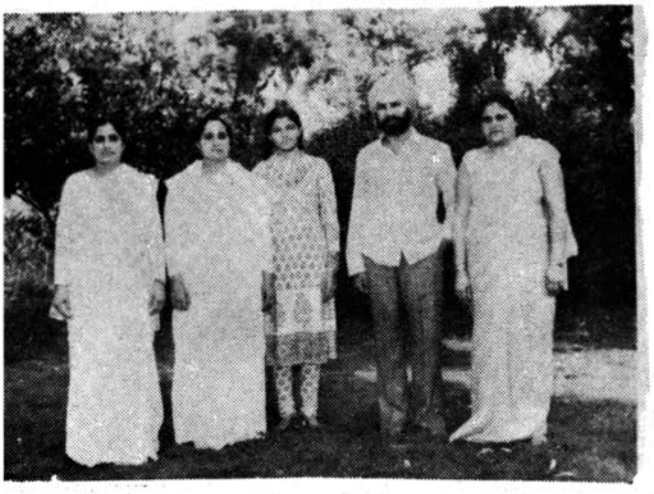

फिरोजपुर सिटी के एस० डी० एम० व उसकी युगल को राखी बाँधने के पश्चात ब्र० कु० तृप्ता व सरमिष्ठा उनके साथ खड़ी हैं। बीच में उनकी कन्या भी खड़ी है।

बरनाला के एस० डी० एम० भ्राता जी० एस० मक्कड को ब्र० कु०वृज पवित्रता की सूचक राखी बाँध रही हैं।

पुरी सेवाकेन्द्र के तृतीया वार्षिकोत्सव पर वहां के कलेक्टर व उड़ीसा के शिक्षा मन्त्री तथा एम० एल० ए० आदि पधारे थे जो कि मंच पर बैठे हैं। ब्र० कु०निरुपमा संस्था का उद्देश्य व कार्यक्रम सुना रही हैं।

रायपुर में वहाँ के डी० आई० जी० भ्राता मुकर्जी को ब्र० कु०विमल राखी बाँध रही हैं। साथ में ब्र.कु. भावना बहन खड़ी हैं।

कलकत्ता में बिजली बोर्ड के डिप्टी चीफ़ इन्जीनियर भ्राता डी० पी० राय को दादी निर्मलशान्ता जी राखी बांध रही हैं।

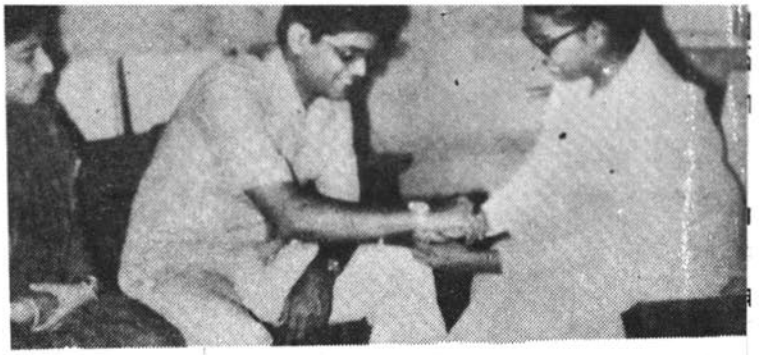

पुरी के कलक्टर भ्राता अशोक मिश्रा व उसकी धर्मपत्नी को ब्र० कु० निरुपमा पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

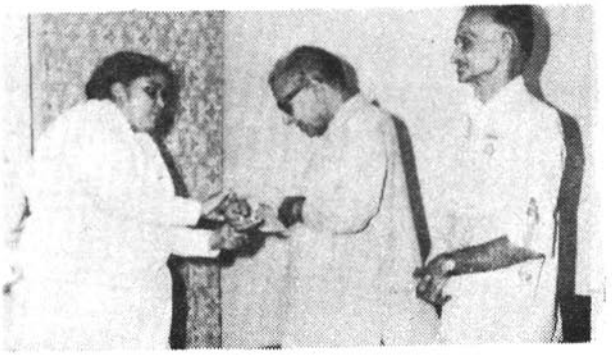

महर्षि दयानन्द विश्व-विद्यालय के उपकुलपति भ्राता हरद्वारीलाल को रोह-तक में ब० कु०आभा राखी बाँध रही है।

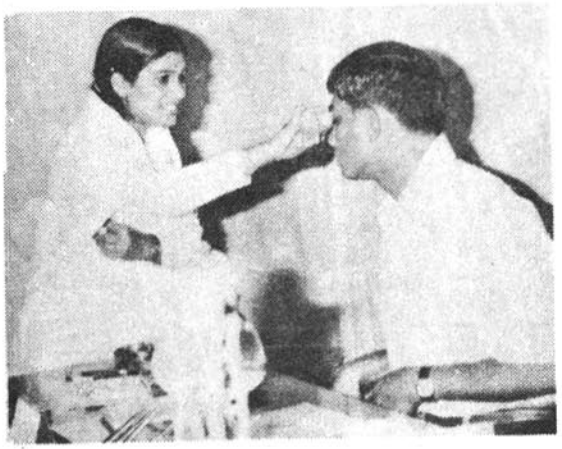

रायपुर के कलेक्टर भ्राता अजीत जोगी को ब्र० कु०विमला राखी बन्धन के पश्चात आत्म स्मृति का तिलक लगा रही हैं।

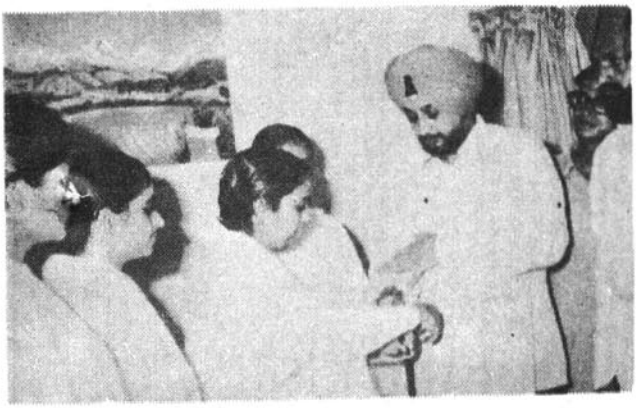

मोगा के मैजिस्ट्रेट भ्राता मण्डेल जी को ब्र० कु०संजीवनी पवित्रता एवं स्नेह की सूचक राखी बांध रही हैं।

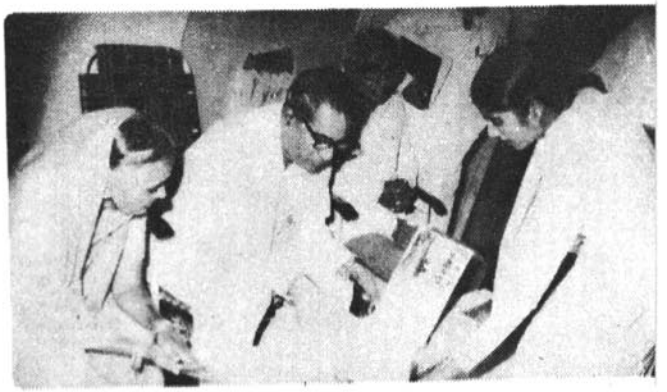

सोलापुर सेवा-केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र० कु० महानन्दा अन्न व नागरी आपूर्ति राज्यमन्त्री को राखी बांधने के पश्चात चित्रों की व्याख्या दे रही हैं। साथ में उनकी धर्मपत्नी तथा कांग्रेस (आई) के अध्यक्ष भ्राता आप्पा साहेब बैठे हैं।

ऊपर के चित्र में भ्रा० राजेन्द्रपाल कपूर सम्भाग कमिश्नर रायपुर में प्रदर्शनी का उद्घाटन टेप काटकर कर रहे हैं। साथ में ब्र० कु० विमल जी, ब्र० कु० सुशीला जी व अन्य भाई-बहन खड़े

तिरुपति में तिरुमाला मन्दिर के प्रशासक अधिकारी भ्राता पी० वी० आर० प्रसाद व उनकी युगल को आदरणीया दीदी जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

नीचे चित्र में ब्र० कु० राजकुमारी जी रोपड़ के डिप्टी कमिश्नर भ्रा० बिरेन्द्र सिंह जी को राखी बांध रही हैं।

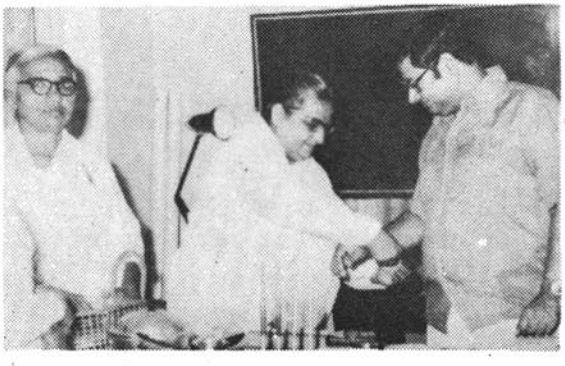

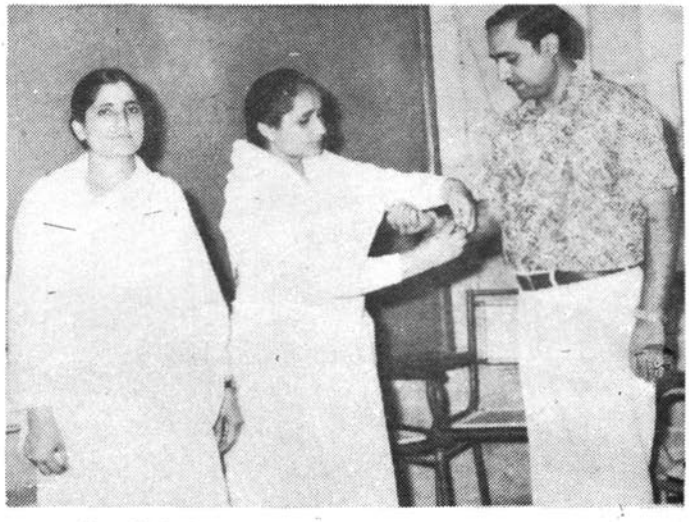

इस चित्र में फिरोज़पुर के डिप्टी कमिश्नर भ्रा० ए० के० अरोड़ा जी को ब्र० कु० तृप्ता राखी बांध रही हैं साथ में ब्र० कु० सरमिष्टा खड़ी हैं।

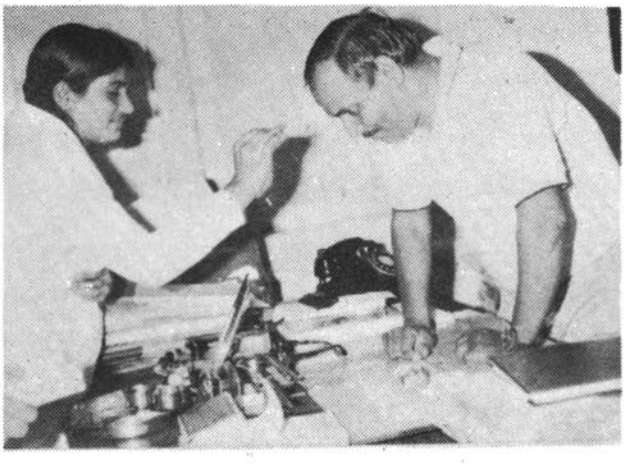

इस चित्र में ब्र० कु० विमला जी रायपुर के कमिश्नर भ्रा० रघुनाथ प्रसाद जी को पावन राखी बांध रही हैं।

ऊपर चित्र में ब्र० कु० कृष्णा जी अम्बाला के कमिश्नर को राखी बांध रही हैं।

कलावती बिजनौर के ज़िलाधीश भ्राता एम० रामचन्द्रन को लक्ष्मी नारायण का चित्र भेंट कर रही हैं। साथ में अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

नैनीताल के जिलाधिकारी एच०सी० गुप्ता को ब्र० कु० विद्या राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु० प्रतिमा खड़ी हैं

बिजनौर के ज़िलाधीश भ्राता एम० रामचन्द्रन जी वहां पर आयोजित आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन टेप काटकर कर रहे हैं। साथ में वहां के बहन-भाई खड़े हैं।

विभिन्न शहरों के जिलाधीशों को राखी बन्धन

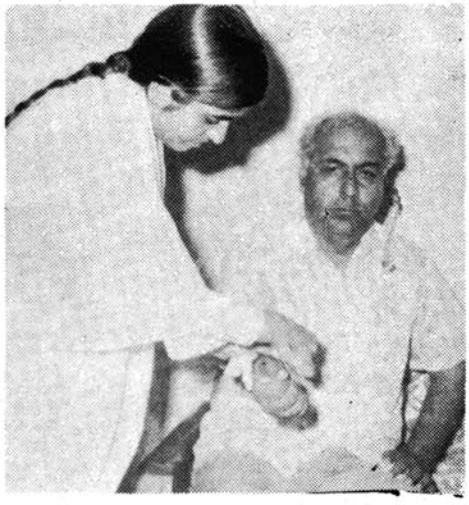

पाली के अतिरिक्त ज़िलाधीश भ्राता आर० पी० पारिख ब्र० कु० राज पवित्रता एवं स्नेह की सूचक राखी बांध रही हैं।

फतेहपुर के ज़िला अधिकारी भ्राता ए० एन० अन्सारी को ब्र० कु० सरिता राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु० दुलारी खड़ी हैं।

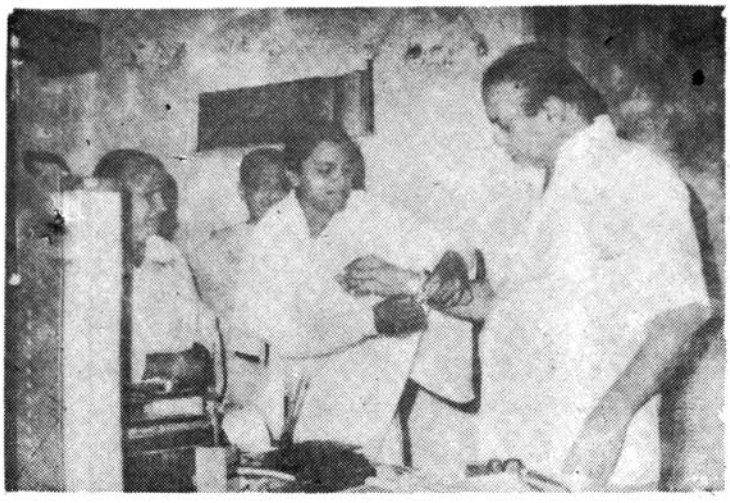

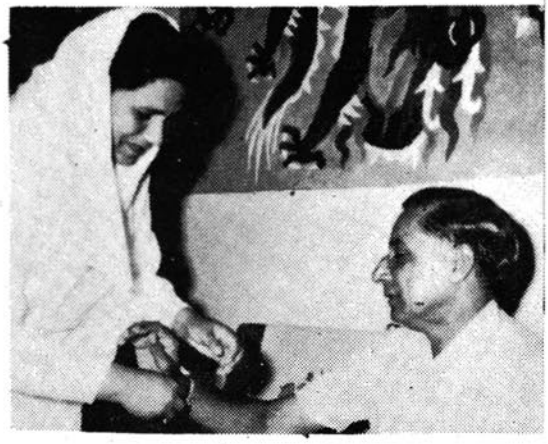

मण्डी के जिलाधीश भ्राता के० एस० शर्मा को ब्र० कु० राखी बांध रही हैं।

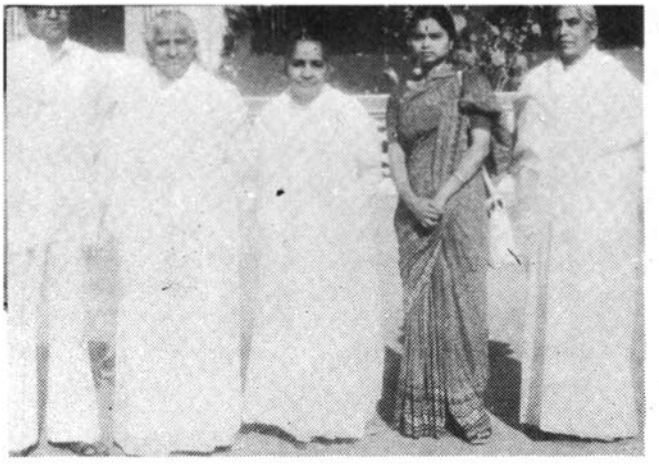

तिरुपति मन्दिर ट्रस्ट के प्रशासन अधिकारी भ्राता प्रसाद व उनकी युगल माऊंट आबू में आदरणीया दादी जी, दीदी जी व मनोहर इन्द्रा बहन के साथ खड़े हैं।

सोलन की डिप्टी कमिश्नर बहन सुनीता मुखर्जी को ब्र० कु० सुन्दरी राखी बांध रही हैं। उनके साथ वहां के अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

नंवा शहर के एस. डी. एम. भ्राता राकेश जी को ब्र० कु० प्रोमिला राखी बांध रही हैं।

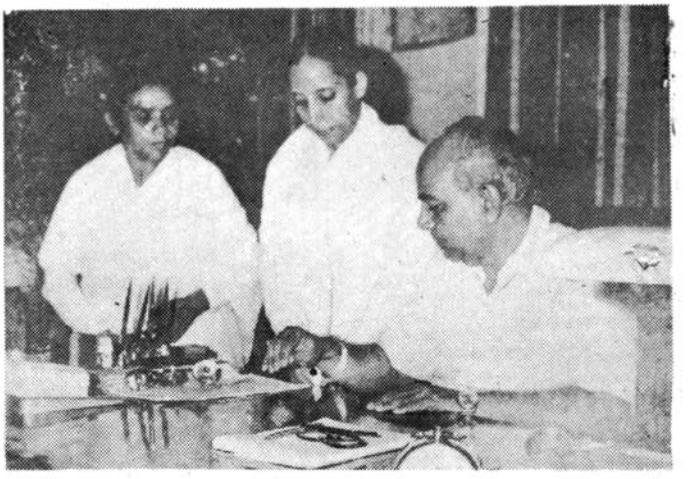

वाराणसी मण्डल के आयुक्त भ्राता प्रेमचन्द श्रीवास्तव को राखी बाँधते हुए ब्र०कु०सुरेन्द्र जी। उनके साथ खड़ी हैं ब्र० कु० कमल जी।

सिद्धपुर सेवा केन्द्र द्वारा आयोजित समारोह में ब्र० कु० मन्जू प्रवचन कर रही है। मंच पर डा० निशिथअजाणी, ब्र० कु० शान्ति आदि बैठे हैं।

मुज़फ्फरनगर के जिलाधीश भ्राता सुभाषचन्द्र चतुर्वेदी को ब्र० कु०कलावती राखी बांधने के पश्चात आत्म-स्मृति का तिलक लगा रही हैं।

ब्रह्माकुमारी सुषमा होशियारपुर के डिप्टी कमिश्नर भ्राता जे० एस० केसर को पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

पानीपत के जिलाधीश भाता अर्जुनदास मलिक को ब्र० कु० कनक राखी बाँध रही है।

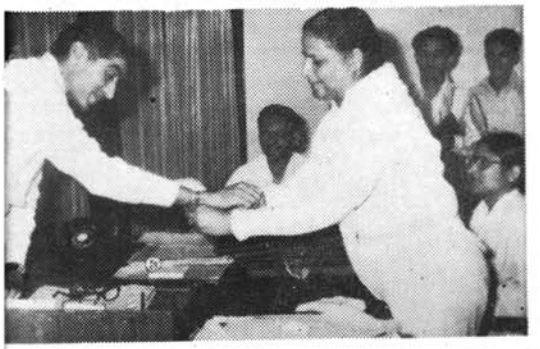

वाराणसी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भ्राता जगतनारायण द्विवेदी कोब्र०कु०गीता जी राखी बाँध रही हैं। पास में ब्र० कु० सुरेन्द्र जी खड़ी हैं।

ऊपर चित्र में डी०डी०ए० के भूमि आयुक्त दिल्ली भ्रा० के० एल० भाटिया तथा उनकी धर्मपत्नी राखी बंधवाने के पश्चात ब्र० कु० शुकला व अन्य भाई बहनों के साथ में खड़े हैं।

सोलापुर सेवाकेन्द्र पर आयोजित समारोह में वहां के मेयर अपने विचार प्रकट कर रहे हैं।

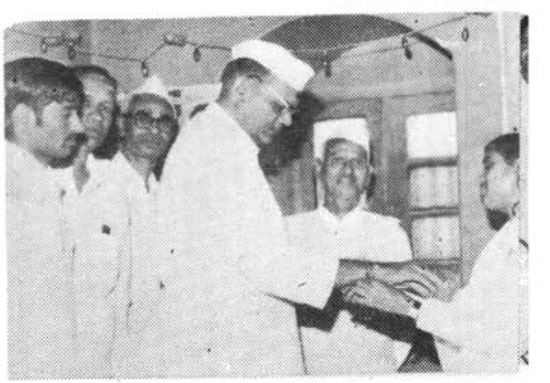

चिक्कोड़ी के नगराध्यक्ष भ्राता शान्तप्पा अणा मिरजे जी को ब्र० कु०प्रभा राखी बाँध रही हैं।

रोहतक के आयकर आयुक्त भ्राता टी० आर० अग्रवाल को ब्र० कु० आभा राखी बांध रही हैं। साथ में कमाण्डर दत्ता, भ्राता विश्वामित्र आदि खड़े हैं।

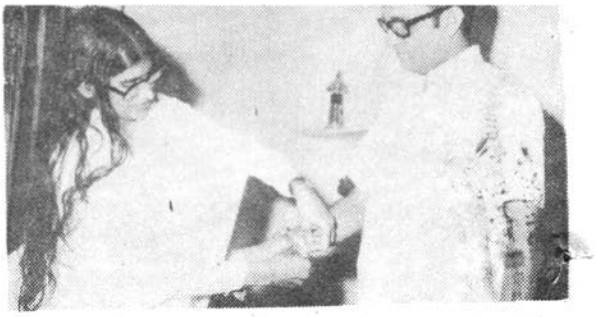

ब्र० कु० निर्मला सतना के जिलाधीश भ्राता अशोक विजयवर्गीय को राखी बाँध रही है।

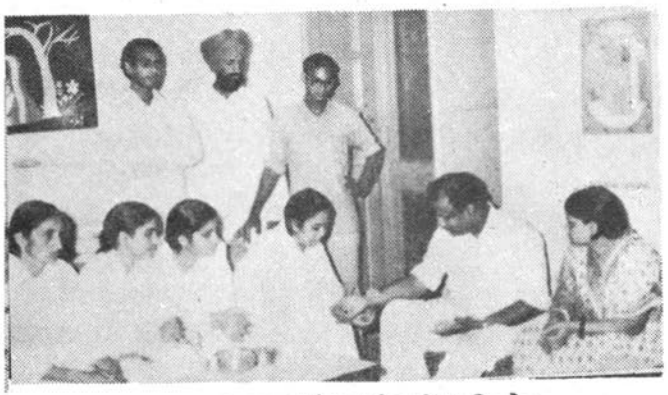

ब्र० कु० संजीवन मोगा के मजिस्ट्रेट भ्राता मोहन अग्रवाल को राखी बांध रही हैं उनके साथ ब्र० कु० बहन व भाई खड़े हैं।

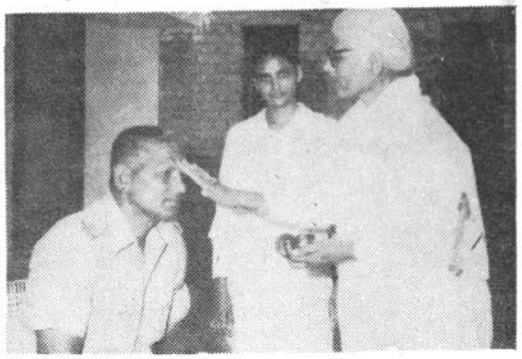

साँपला के पुलिस इन्स्पेक्टर को ब्र० कु० शक्ति राखी बाँधने के पश्चात आत्मस्मृति का तिलक लगा रही हैं।

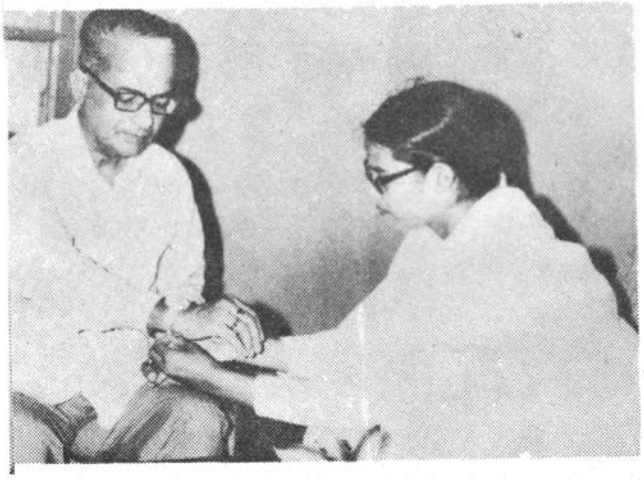

पुरी में ब्र० कु० निरुपमा वहाँ के पुलिस इन्स्पेक्टर जनरल को राखी बाँध रही हैं।

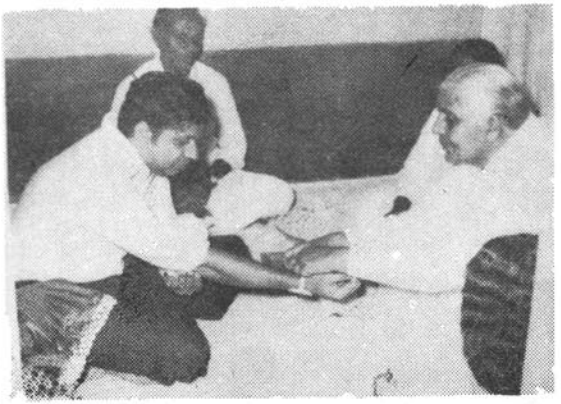

ब्र० कु० हृदयपुष्पा जी कोलार के डिप्टी कमिश्नर भ्राता पी० एस० वी० राव को राखी बाँध रही हैं। साथ में प्रो० गुण्डु राव बैठे हैं।

कलकत्ता (मुख्यालय) के पुलिस कमिश्नर भ्राता एन० सोम कोब्र० कु०कानन पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

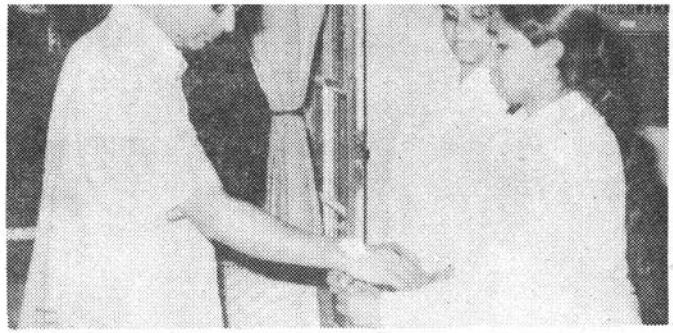

जबलपुर के कमिश्नर भ्राता एस० सी० गुप्ता को कमल राखी बांध रही हैं।

बगलकोट के असिस्टेण्ट कमिश्नर भ्राता के० एस० कपटकर को नीलू पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

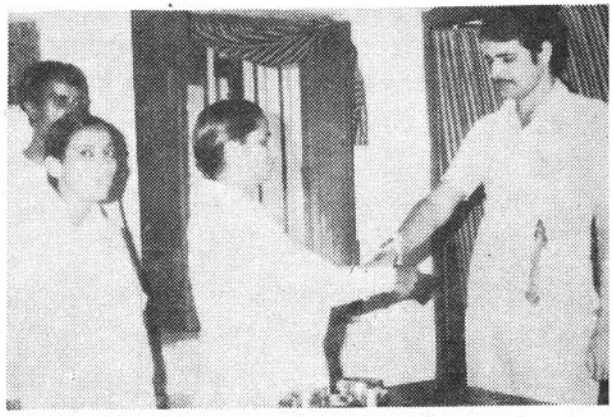

ऊषा दतियाना के सी० ओ० भ्राता चन्द्रकिशोर सिन्हा को राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु०गीता खड़ी हैं।

कानपुर के डिस्ट्रिकट मैजिस्ट्रेट भ्राता रामकृष्ण जी को ब्र० कु० सरिता राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु०दुलारी, भ्राता रामचन्द्र जी खड़े हैं।

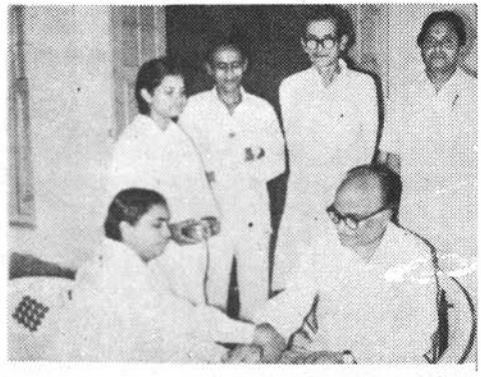

बडीपदा के पुलिस अधीक्षक भ्राता डा० महन्ती कोब्र० कु० बहन राखी बांध रही हैं।

को
राखी
बन्धन

केरल के पुलिस इन्स्पेक्टर जनरल को आदरणीया दीदी मन-मोहिनी जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु० मोहिनी बैठी हैं।

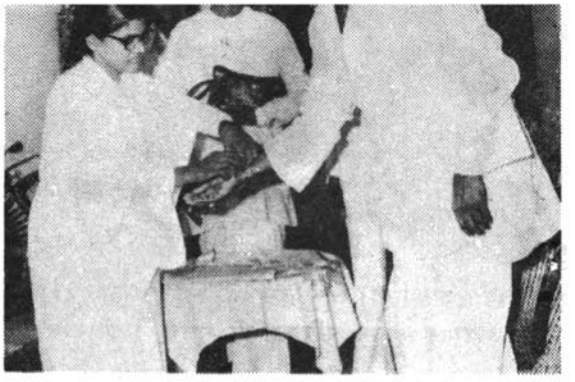

भरतपुर के पुलिस अधीक्षक भ्राता रामेश्वर दयाल गौड को सीता पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु० गोपालदास खडे हैं।

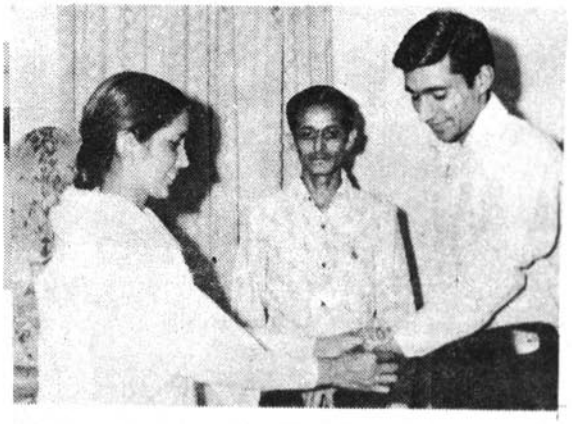

सोलन के पुलिस अधीक्षक भ्राता अश्वनी कुमार वालिया को कु० सुन्दरी राखी बाँध रही हैं। भ्राता अर्जुन व बहन विद्या जी साथ में खड़ी हैं।

कानपुर के एस० एस० पी० भ्राता बलवीर सिंह बेदी को ब्र० कु०बुलारी राखी बाँध रही हैं। साथ में ब्र० कु० सरिता, रामचन्द्र तथा विष्णु खड़े हैं।

हुबली के पुलिस अधीक्षक को ब्र० कु०बहनें राखी बाँधते हुए दिखाई दे रही हैं। →

रायपुर के एस० पी० भ्राता बी० पी० सिंह को ब्र० कु०विमला जी राखी बांध रही हैं। →

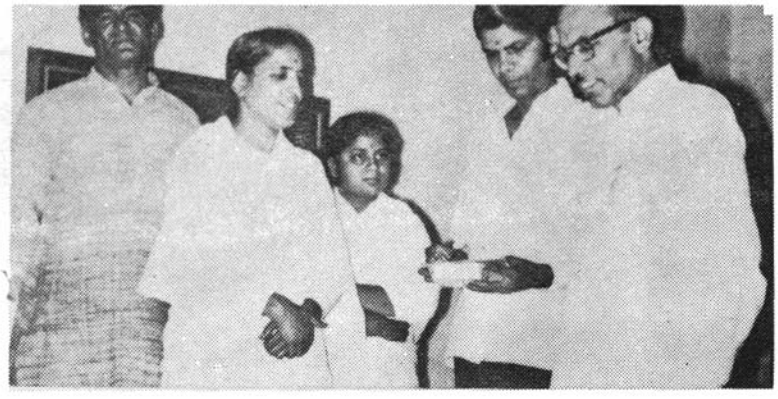

हिन्दी हिन्दुस्थान के मुख्य सम्पादक भ्राता बी० के० मिश्रा जी को साहित्य भेंट कर रही हैं। साथ में बी० के० सुन्दरलाल जी तथा अन्य भाई-बहन खड़े हैं।

नीचे चित्र में ब्र०कु० वरनीता जी वाराणसी में दैनिक 'आज' के वरिष्ठ सम्पादक पं० लक्ष्मी शंकर व्यास जी को राखी बांध रही हैं।

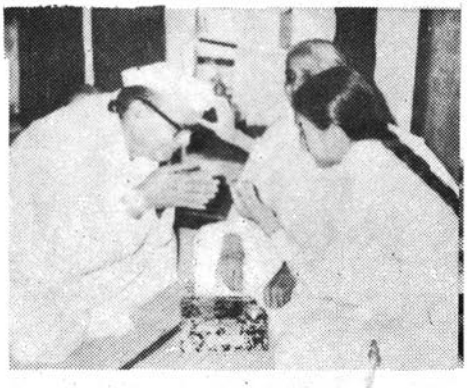

ऊपर चित्र में ब्र०कु० सुरेन्द्र जी वाराणसी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार आचार्य पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र जी को पावन राखी बांध रही हैं।

दिल्ली पहाड़ गंज सेवा केन्द्र की इंचार्ज बी० के० शील जी नेशनल सोलीडेरिटी साप्ताहिक के सम्पादक भ्राता पूरण सिं आज़ाद को राखी बांध रही हैं।

← इस चित्र में नवभारत टाइम्स के समाचार सम्पादक भ्राता पी० डी० जैन को राखी बांधने के पश्चात् बी० के० शुक्ला जी अन्य भाई-बहनों के साथ खड़ी हैं।

हिमाचल प्रदेश के आकाशवाणी निर्देशक भ्राता ए० सी० केहरा को शिमला में ब्र० कु०अरुणा जी राखी बांधने के पश्चात आत्म-स्मृति का तिलक लगा रही हैं। साथ में ब्र०कु०शुक्ला व अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

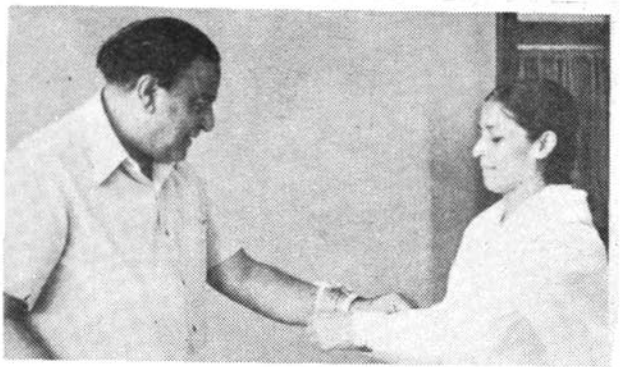

दिल्ली आकाशवाणी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल भ्राता के० के० माथुर को ब्र०.कु०शील राखी बांध रही हैं।

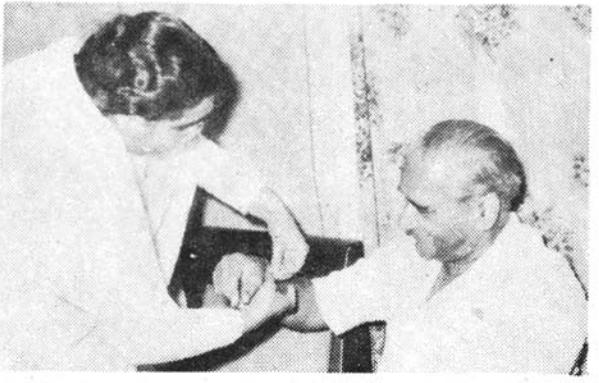

नई दिल्ली से प्रकाशित होने वाले वीर अर्जुन तथा प्रताप समाचार पत्रों के सम्पादक व मालिक भ्राता के० नरेन्द्र को ब्र० कु० चक्रधारी राखी बांध रही हैं।

कर्नाटक के राज्यपाल के सचिव भ्राता मोहन चन्द्रन को आदरणीया दीदी मनमोहिनी जी पवित्रता की सूचक राखी बाँध रही हैं। साथ में ब्र० कु०हृदयपुष्पा व मोहिनी खड़ी हैं।

रोहतक में आकाशवाणी के निर्देशक भ्राता एम० ए० राकेश को ब्र०कु आभा राखी बांधने के पश्चात ईश्वरीय सन्देश दे रही हैं। साथ में उनकी धर्मपत्नी व कमाण्डर प्रीतमदत्ता बैठे हैं।

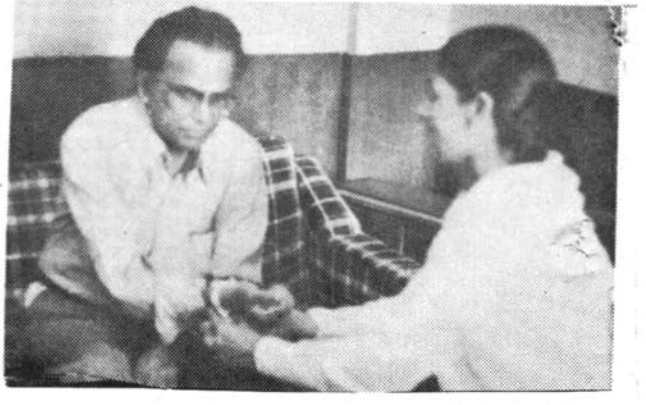

दिल्ली दूरदर्शन के स्टेशन डायरेक्टर भ्राता किरण को ब्र० कु० शील राखी बांध रही है।

गांधीनगर में अपंग मानव कल्याण समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ब्र० कु० गीता जी प्रवचन कर रही हैं। साथ में मुख्य संयोजक, ब्र० कु० मनोहर इन्द्रा व ब्र० कु० सरला जी बैठे हैं।

अमरावती के अन्ध विद्यालय में आयोजित आध्यात्मिक का को श्रोतागण बड़ी ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।

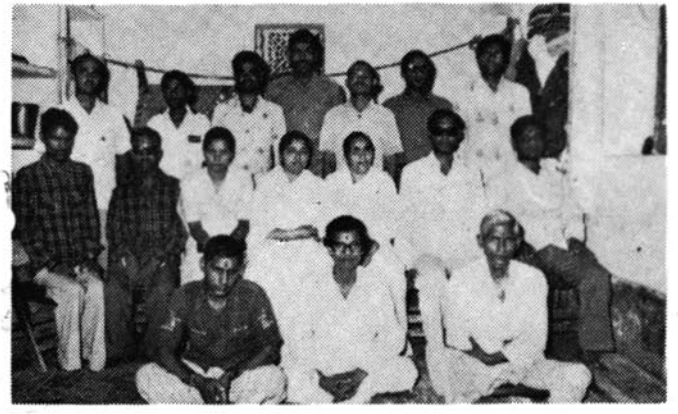

शाहदरा के अन्ध विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् ब्र० कु० प्रेम व कमला जी वहां के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों के साथ दिखाई दे रही हैं।

ओखला में स्थित चैसायर मालती देवी होम में लाजपत-नगर (नई दिल्ली) सेवाकेन्द्र की ओर से अपंगों के लिए आयोजित कार्यक्रम का एक दृश्य।

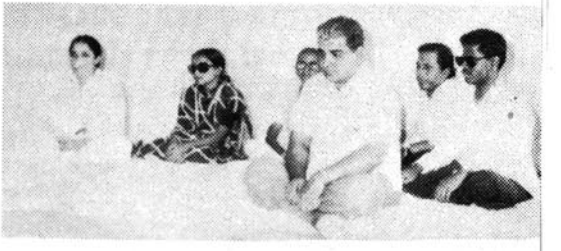

अमरावती के अन्ध विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वहां के प्राचार्य तथा ब्र० कु० सीता मंच पर बैठी हैं।

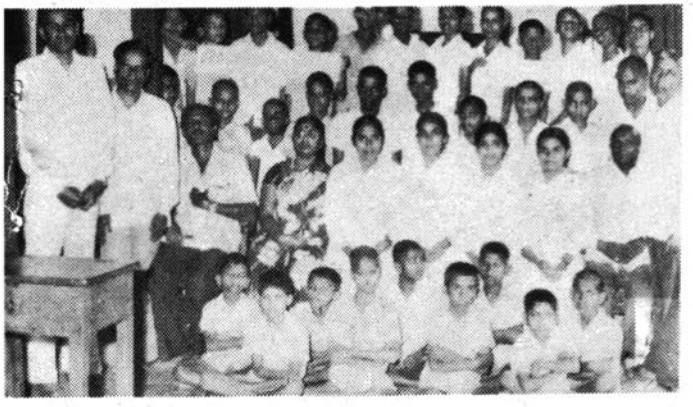

हुबली सेवाकेन्द्र द्वारा अन्ध विद्यालय में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम का एक दृश्य। ब्र० कु० बहनें कार्यक्रम के पश्चात बच्चों व शिक्षकों के साथ दिखाई दे रही हैं।

वैश्य अनाथालय मेरठ में आयोजित आध्यात्मिक प्रदर्शनी के पश्चात अनाथालय के बच्चे एवं मैनेजर के साथ ब्र० कु० विनोद

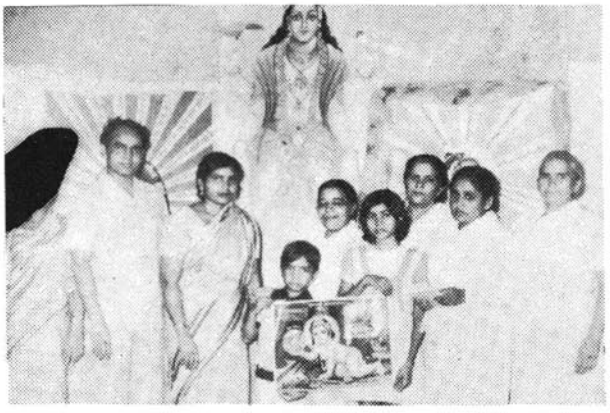

अम्बाला कैंट में हरिजनों के लाभार्थ आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम का एक दृश्य। नगर निगम के प्रशासक भ्राता एम० एल० मालवान के साथ वहां के बहन भाई खड़े हैं।

जयपुर के संग्रहालय द्वारा हरिजन बस्ती में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम एवं प्रोजैक्टर शो का एक दृश्य।

लाजपत नगर (नई दिल्ली) सेवा केन्द्र द्वारा चैसायर होम, ओखला में आयोजित कार्यक्रम के बाद ब्र० कु० बहन उनके बीच दिखाई दे रही हैं।

अम्बाला में पिछड़े वर्ग के लोगों के लाभार्थ आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में ब्र० कु० प्रेम, सरोज व उमा जी उनके बीच दिखाई दे रही हैं।

वडाली (धूले) उप-सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित राखी बन्धन समारोह में भ्राता पी० के० पाटिल अपने विचार प्रकट कर रहे हैं।

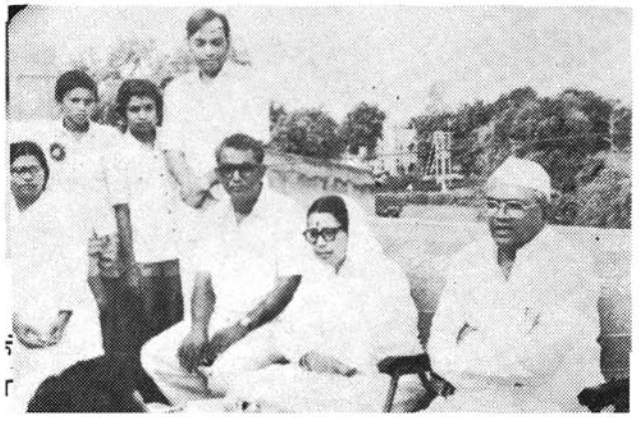

बम्बई (मुलन्द) सेवा केन्द्र द्वारा मानसिक रोगियों के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में ब्र० कु० गोदावरी प्रवचन कर रही हैं। साथ में भ्राता विष्णु जी, बहन लाजवन्ती आदि बैठे हैं।

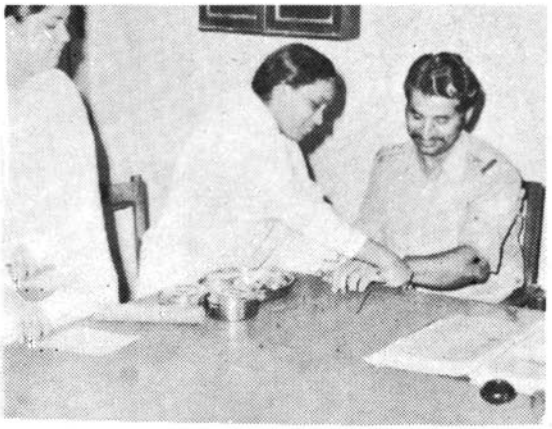

ब्रह्मपुर जेल के जेलर भ्राता याकूब खां को ब्र० कु०पार्वती राखी बांध रही हैं। साथ में ब्र० कु०नीलम खड़ी हैं।

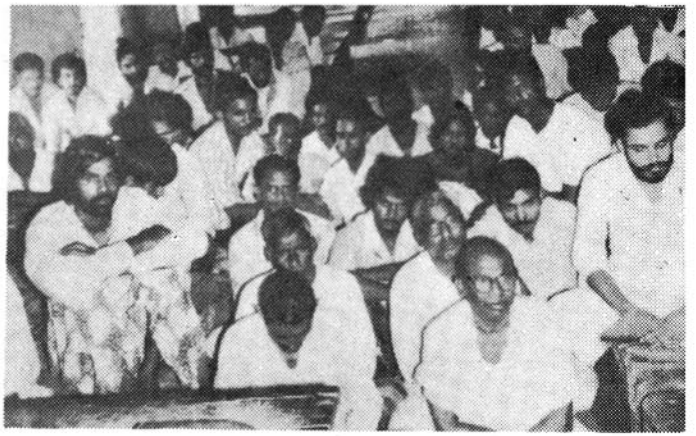

कानपुर की जेल में आयोजित समारोह में कैदी ब्रह्मा-कुमारी बहनों के प्रवचन बड़ी ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।

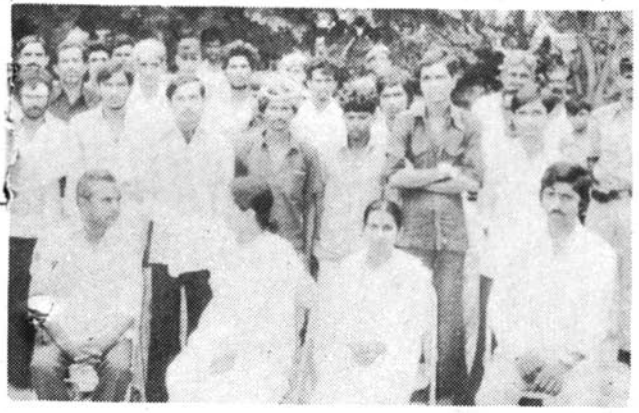

सिद्धपुर जेल में आयोजित समारोह में ब्र०कु०मन्जू भ्राता पोपट भाई को राखी बांधने के पश्चात आत्म-स्मृति का तिलक लगा रही है। ब्र०कु०हंसा व जेलर साथ में बैठे हैं।

बीदर की सैण्ट्रल जेल के अधीक्षक को ब्र० कु०सन्तोष राखी बांध रही है। उनके निकट ब्र० कु०भारती, सरतू व अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

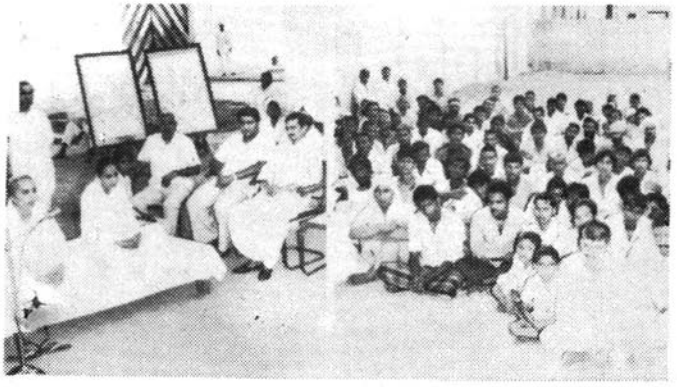

ब्र० कु० सुदर्शन गुड़गांव जेल में कैदियों को ईश्वरीय सन्देश सुनाते हुए राखी का महत्त्व बता रही है। ब्र० कु०सुदेश साथ में बैठी है। जेलर व अधीक्षक पीछे कुर्सी पर बैठे हैं।

सोलापुर जेल में आयोजित समारोह में ब्र० कु०सुभद्रा प्रवचन कर रही हैं। मंच पर वहां के मेयर, समाजसेवक, सोलापुर समाचार के सम्पादक तथा जेल अधीक्षक आदि बैठे हैं।

रुड़की की जेल में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् ब्र० कु० सरिता जेलर को राखी बांध रही हैं।

कानपुर की जेल में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् कैदी एक बुराई छोड़कर अच्छाई धारण करने वाला फ़ार्म भर रहे हैं। ब्र० कु० विद्या, मनोरमा एवं जेलर बैठे हैं।

कैदियों को राखी बांधने के पश्चात ब्र० कु० कृष्णा जी, ब्र० कु० कमला जी व चन्द्रकान्ता जी जेलर के साथ खडी हैं।

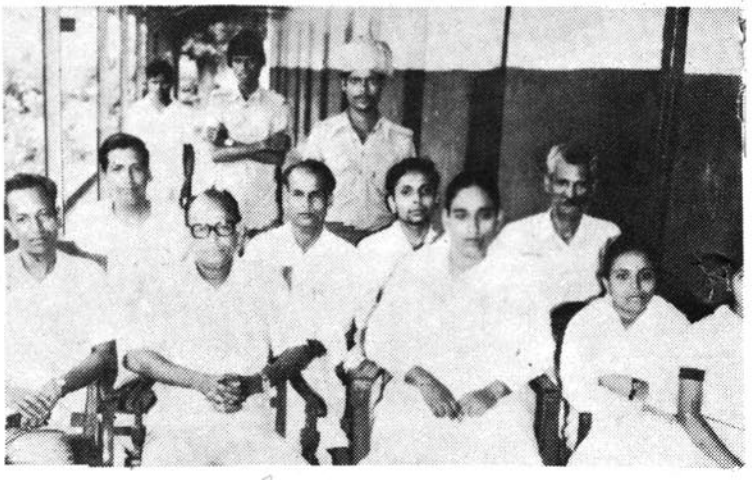

सैण्ट्रल जेल कटक में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम एवं प्रोजेक्टर शो का एक दृश्य। ब्र० कु० कमलेश, वहां के जेलर व अन्य बहन भाई मंच पर दिखाई दे रहे हैं।

ब्र० कु० बिन्दु कलकत्ता की सेण्ट्रल जेल के कैदियों को राखी बांध रही है। उनके साथ वहां के वेलफेयर आफिसर खड़े हैं।

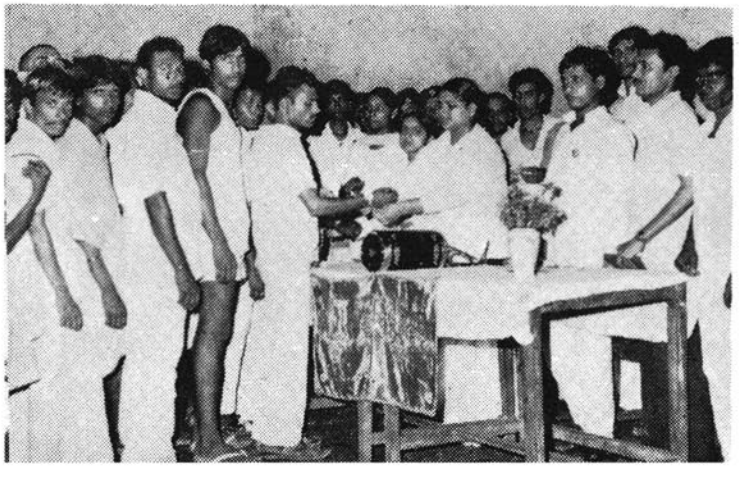

कलकत्ता सेवाकेन्द्र द्वारा दमदम जेल में आयोजित समारोह के पश्चात वहां के अधीक्षक भ्राता आर० एन० गंगूली जी अपनी राय लिख रहे हैं।

भरूच सेवाकेन्द्र की बहनें सुनीता एवं कला जी वहां की सेण्ट्रल जेल के कैदियों को पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

कासगंज सेवाकेन्द्र की ओर से एटा जेल में कैदियों को ब्र० कु० बहनें पवित्रता एवं आत्मिक स्नेह की सूचक राखी बांध रही हैं तथा उनसे बुराइयां छोड़ने की प्रतिज्ञा करा रही हैं।

कटक सेवाकेन्द्र द्वारा जेल में आयोजित राजयोग शिविर का एक दृश्य। काफ़ी संख्या में कैदी राजयोग का अभ्यास करते हुए दिखाई दे रहे हैं तथा वे लगभग दो मास से ज्ञान की क्लास करते रहते हैं।

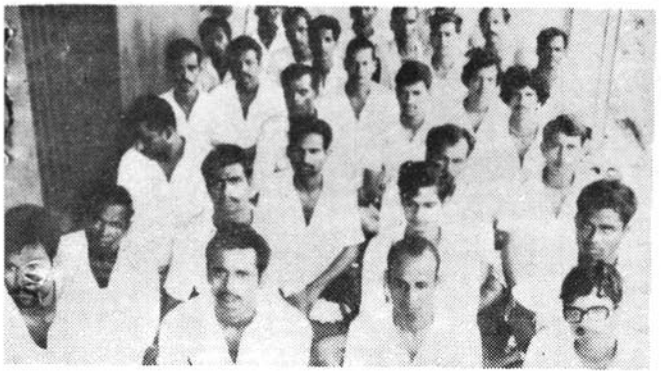

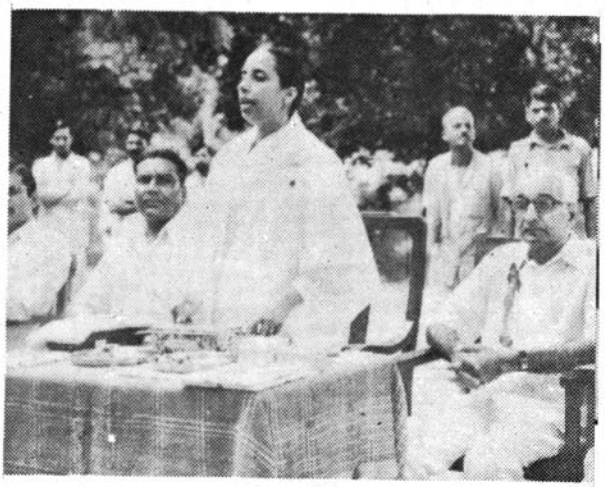

वाराणसी के केन्द्रिय कारागार में कैदियों के समक्ष प्रवचन करते हुए ब्र० कु० सुरेन्द्र जी साथ में जेल अधीक्षक बैठे हैं।

रोपड़ जेल के कैदियों को ईश्वरीय सन्देश दिया जा रहा है तथा उनसे कोई न कोई बुराई छोड़ने की प्रतिज्ञा कराई गई।

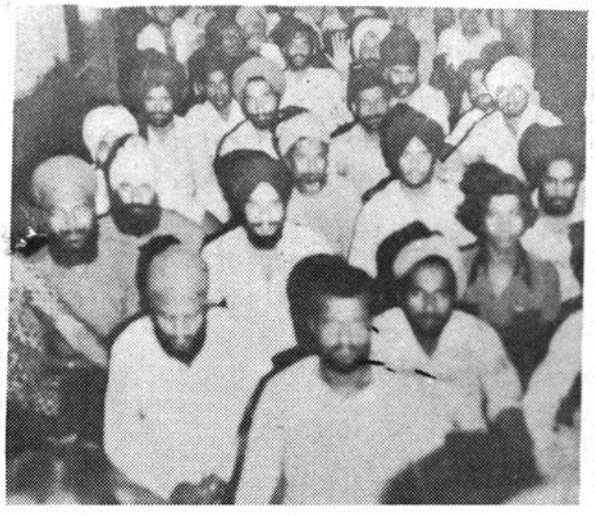

उज्जैन (भैरुगढ़) केन्द्रिय जेल में कैदियों के लाभार्थ आयोजित कार्यक्रम में ब्र० कु० रुकमणी जी प्रवचन कर रही हैं। मंच पर उनके साथ ब्र० कु० भगवती बैठी है तथा कैदी बड़े ध्यानपूर्वक प्रवचन सुन रहे हैं।

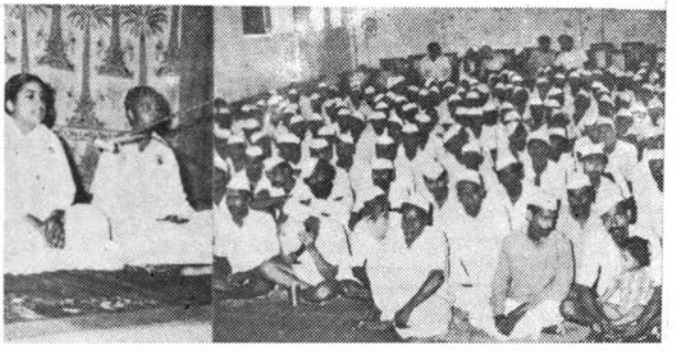

भिवानी में आयोजित आध्यात्मिक प्रदर्शनी के चित्रों की व्याख्या ब्र०कु० पुष्पा वहां के एम० एल ०ए० एवं भूत-पूर्व शिक्षा मन्त्री भ्राता हीरानन्द आर्य को दे रही हैं।

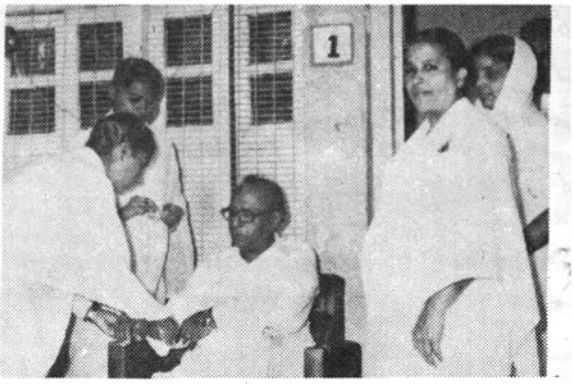

ब्र० कु०कलावती हुबली के मेम्बर पार्लियमेंट को राखी बाँध रही हैं।

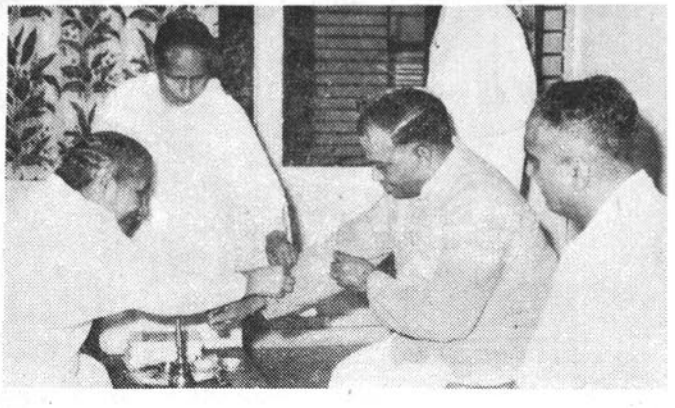

तिरुपति के एम० एल० ए० भ्राता ए० ईश्वर रेड्डी जी को दीदी मनमोहिनी जी पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं, उनके साथ ब्र० कु० रमेश व अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

ब्र० कु०विजयलक्ष्मी जींन्द में अवकाश प्राप्त लॉ (कानून) आफ़िसर भ्राता गुरु प्रसाद अग्रवाल को राखी बांध रही हैं। साथ में वहां के विधायक भ्राता मांगेराम गुप्ता बैठे हैं।

फरूखाबाद में डॉक्टरों के लिए आयोजित राजयोग में उपस्थित डाक्टरों को ब्र० कु० सुमन योग का अभ्यास करा रही है।

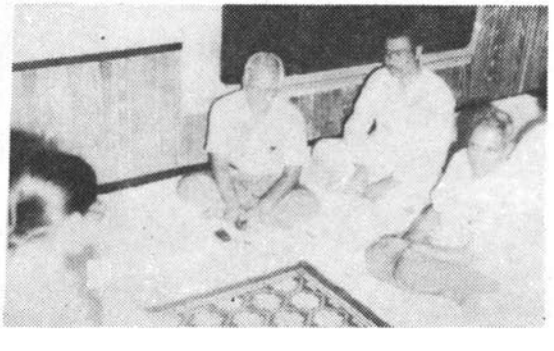

गंगावती (हुबली) में आयोजित आध्यात्मिक मेला का उद्घाटन डॉ० शान्ता जी दीप जलाकर कर रही हैं।

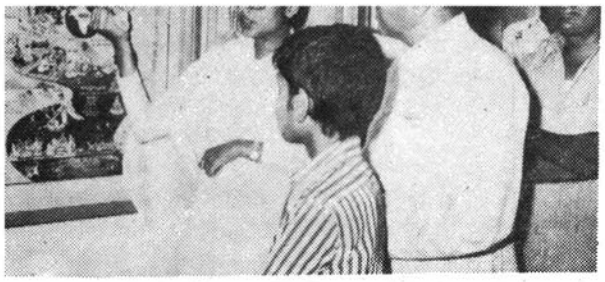

बनी पार्क, जयपुर में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के पश्चात राजस्थान के विधायक एवं भूतपूर्व विद्युत मन्त्री भ्राता हीरालाल देवपुरा बड़े ध्यानपूर्वक चित्रों को देख रहे हैं। ब्र० कु० सरोज चित्रों की व्याख्या दे रही हैं।

ब्र० कु० प्रितम हैदराबाद में आँध्र प्रदेश के कृषि मन्त्री भ्राता वैंकट राव को राखी बाँध रही हैं।

अजमेर में आयोजित राखी बन्धन समारोह में ब्र० कु० सुकर्मा वहां की विधान सभा के सदस्य भ्राता भगवानदास शास्त्री को राखी बाँध रही हैं।

बगलकोट के एम० एल० ए० भ्राता परप्पा कलिगुड्ड को नीलू राखी बांध रही हैं।

बुलदाना में आयोजित समारोह में महाराष्ट्र के भूतपूर्व गृह-राज्य मन्त्री भ्राता रामभाऊ लिंगाडे, राज्यमन्त्री दत्ता जी, बहन प्रभाराव, प्रताप राव चौहान, तथा गोविन्द राव आदिक के साथ वहां के बहन-भाई बैठे हैं।

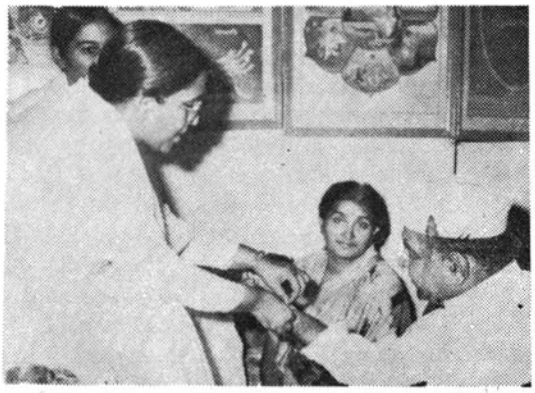

ब्र० कु० सुषमा भ्राता हरिमित्र हंस (एम० एल० ए०) को पवित्रता सूचक राखी बांध रही हैं। साथ में हैड-मास्टर मनोहर सिंह तथा ब्र० कु० जोगिन्द्र बैठे हैं।

सोनीपत में ब्र० जनक जी राज्य-सभा के सदस्य भ्राता सुजान सिंह को राखी बांध रही हैं।

नडियाड सेवाकेन्द्र द्वारा डाक्टरस के लिए आयोजित राजयोग शिविर में डाक्टरस भाग ले रहे हैं।

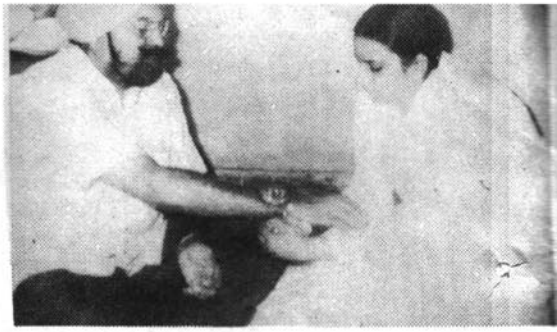

ब्र० कु० प्रोमिला नंदा शहर के सिविल सर्जन भ्राता एस० एस० खेरा को पवित्रता की सूचक राखी बांध रही हैं।

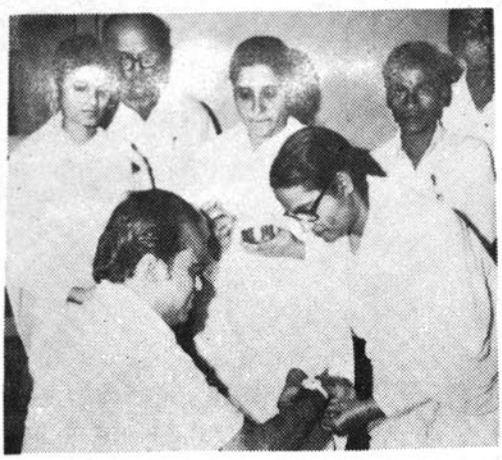

भुवनेश्वर के चीफ मेडिकल आफिसर मेजर महन्ती को ब्र० कु० मंजू राखी बांध रही हैं। उनके साथ ब्र० कु० कुलदीप, प्रेमलता व भ्राता प्रेमानन्द खड़े हैं।

बड़ौदा के भारतीय विद्या भवन में डॉक्टरों के लिए आयोजित राजयोग शिविर में ब्र० कु० चन्द्रिका राजयोग के महत्त्व पर समझा रही हैं।

नागपुर सेवाकेन्द्र द्वारा यवतमाल में आयोजित प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में वहां के सिविल सर्जन भ्राता अग्रवाल प्रवचन कर रहे हैं। मंच पर ब्र० कु० पुष्पा व अन्य वक्ता बैठे हैं।

कासगंज में ब्र० कु० सरोज जेल के डाक्टर को राखी बांध रही हैं। साथ में जेलर तथा असिस्टेंट जेलर खड़े हैं।

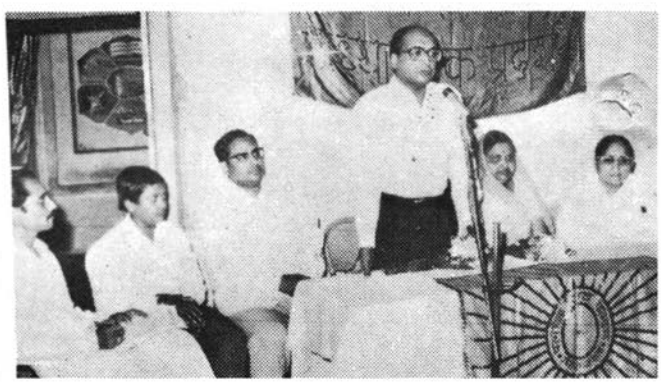

समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं में लेख और समाचार

पिछले लगभग दो महीनों में १७५ पत्रों तथा पत्रिकाओं में ईश्वरीय विश्व-विद्यालय के लेख, समाचार, संवाद आदि छपे हैं। उनमें से कुछेक के विवरण, निम्नलिखित हैं।

१. नई दिल्ली से **हिन्दुस्तान टाइम्स, नवभारत टाइम्स, दि इवनिंग न्यूज**, एज्यूकेटर तथा दैनिक सवेरा में रक्षाबन्धन अपील, रक्षाबन्धन के समाचार तथा विश्वशान्ति के लिए राजयोग विषयों पर लेख प्रकाशित हुए।

२. नागपुर से नागपुर टाइम्स, लोक मत, दि हितवाद, नवभारत, नव प्रभा तथा दैनिक नव प्रभात में रक्षाबन्धन, करो मोह का त्याग तथा यज्ञ में तिल नहीं नामक लेख प्रकाशित हुए।

३. हैदराबाद से हिन्दी **मिलाप**, इन्सानी समाज में रक्षाबन्धन सें सम्बन्धित लेख प्रकाशित हुए।

४. आगरा से **अमर उजाला** में रक्षाबन्धन का सेवा समाचार प्रकाशित हुआ।

५. ग्वालियर से **स्वदेश, दैनिक भास्कर** में रक्षा-बन्धन का लेख प्रकाशित हुआ।

६. पटियाला से दि पंजाब प्रैस तथा दैनिक **रंजीत** में दस-सूत्री कार्यक्रम के लेख प्रकाशित हुए।

७. कानपुर से दैनिक **विश्वामित्र** में रक्षाबन्धन का लेख प्रकाशित हुआ।

८. जालन्धर से दैनिक **पंजाब केसरी** में बलात्कार के अपराध का सही इलाज लेख प्रकाशित हुआ।

९. लुधियाना में दैनिक सूरज, दैनिक तर्जमान, दैनिक समाज, दैनिक सदागत, दैनिक रोहजान तथा दैनिक लुधियाना पोस्ट में चलचित्र, १०-सूत्री तथा रक्षाबन्धन से सम्बन्धित लेख प्रकाशित हुए।

१०. लखनऊ से तरूण भारत, **नवजीवन** तथा **स्वतन्त्र भारत** में रक्षाबन्धन, महायज्ञ तथा जन्माष्टमी से सम्बन्धित लेख प्रकाशित हुए।

११. पाटन से हमसकर, **महा गुजरात**, उत्तर गुजरात, लोकवाणी तथा जयहिन्द में रक्षाबन्धन, ग्राम सेवा योजना, समाज सुधार ब्रह्मा कुमारियों का अनोखा सोपान आदि विषयों पर लेख प्रकाशित हुए।

१२. हुबली से संजयवाणी, विश्व वाणी, **प्रजा-ज्योति, विशाल कर्नाटक**, संयुक्त कर्नाटक तथा नेता जो में १०-सूत्री कार्यक्रम, धूम्रपान या विषपान आदि विषयों पर लेख प्रकाशित हुए।

१३. मंगलौर से **नवभारत** में **उदयवाणी** में संस्था का परिचय तथा १०-सूत्री कार्यक्रम से सम्बन्धित लेख प्रकाशित हुए।

१४. पटना से **इण्डियन नेशन** में रक्षाबन्धन से सम्बन्धित लेख प्रकाशित हुआ।

१५. रायगढ़ से साप्ताहिक बयार में रक्षाबन्धन का लेख प्रकाशित हुआ।

१६. लण्डन से **अमरदीप** साप्ताहिक में महायज्ञ का समाचार प्रकाशित हुआ।

१७. अहमदाबाद से जयहिन्द में रक्षाबन्धन का लेख प्रकाशित हुआ।

१८. मुजफ्फरपुर से विमल वाणी साप्ताहिक में १०-सूत्री कार्यक्रम तथा दिव्य गुणों से जय-जय-कार आसुरी लक्षणों से हाहाकार नामक लेख प्रकाशित हुए।

१९. चित्तौड़गढ़ से दैनिक **जयमेवाड़** में रक्षा-बन्धन तथा बलात्कार के अपराध का सही इलाज नामक लेख प्रकाशित हुए।

२०. राजकोट से जयहिन्द, फूल छाब, लोक मान्य तथा **समाजवाद** पाक्षिक में रक्षाबन्धन तथा बलात्कार के अपराध का सही इलाज नामक लेख प्रकाशित हुए।

इसके अतिरिक्त, दूसरे समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं, जिनमें पिछले दो मास में लेख, समाचार तथा सन्देश छपे, के नाम ज्ञानामृत के सितम्बर-अक्टूबर-II में छपे हैं। मालूम रहे कि दस-सूत्री कार्यक्रम आदि से सम्बन्धित अब तक कुल ६०२ पत्रों-पत्रिकाओं में लेख तथा समाचार प्रकाशित हुए हैं। आध्यात्मिक मेलों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों आदि से सम्बन्धित समाचार भी भारत के मुख्य समाचार पत्रों में छपे हैं। वे इन ६०२ पत्रों-पत्रिकाओं से अलग हैं। उनको तथा परिशिष्ट (Supplements) को मिला कर कुल संख्या १००० हो जायगी—ऐसा अनुमान है।

Regd. No. D (D) 178

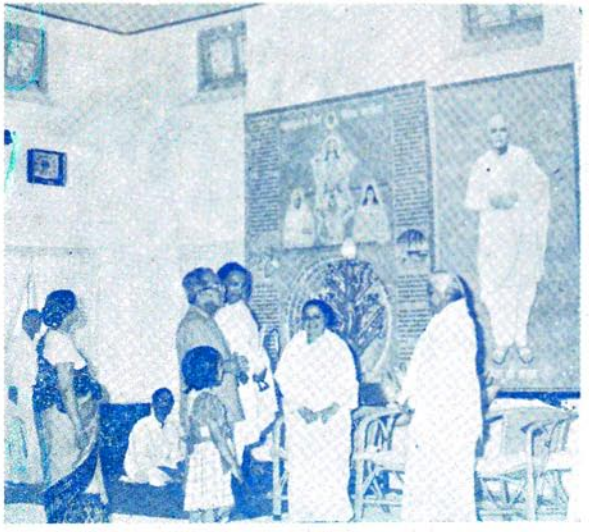

ऊपर चित्र में दादी प्रकाशमणी जी भ्राता वाई० वी० चन्द्रचूड़ (भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश) तथा उनकी पत्नी का पाण्डव भवन आबू पर्वत में पधारने पर स्वागत **कर** रही हैं।

ऊपर के चित्र में मधुबन, पाण्डव भवन माऊन्ट आबू में राजयोग शिविर में बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीश पधारे। चित्र में दादी जी, दीदी जी के साथ लोकायुक्त भ्राता एन० डी० कामत, भ्राता वी० एस देशपांडे, बी० ए० मसोदकर, एस० सी० प्रताप, पी० बी० सामन्त, बी० जे० रेले, एस० पी० आर० कुरुदकर तथा उनके परिवार के सदस्य तथा अन्य बहन-भाई खड़े हैं।

पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश भ्राता मित्तल जी तथा उनके परिवार और मित्रों के पाण्डव भवन, आबू पर्वत पर पधारने पर दादी प्रकाशमणि जी ने उनका हार्दिक स्वागत किया।

ऊपर के चित्र में मधुबन माऊन्ट आबू में राजयोग शिविर की समाप्ति के पश्चात् दीदी जी, दादी जी के साथ खड़े हैं बहन कुन्ती अग्रवाल, भ्राता आर० एम० अग्रवाल चीफ़ सैक्रेटरी गोवा, दमण और दीव, पत्रकार भ्राता सुरेश सोमपुरा, लीना सोमपुरा आदि तथा अन्य बहन-भाई।

← मधुबन पाण्डव भवन में पाँच दिवसीय राजयोग शिविर करने के पश्चात् दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश भ्राता ओ० एन० वोहरा जी, भ्राता रामेश्वर दयाल ए० डी० जे० तथा उनकी पत्नी, भ्राता लालचन्द वत्स तथा अन्य दीदी जी, दादी जी, ब्र० कु० हृदयपुष्पा जी के साथ दिखाई दे रहे हैं।